5. Write a brief note on any **three** of the following : 3×6=18

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** संक्षिप्त पर टिप्पणी लिखिए :

(a) Sabhā and Samiti
सभा और समिति

(b) Saptānga Theory
सप्ताङ्ग सिद्धान्त

(c) Essential qualities of a king
राजा के आवश्यक गुण

(d) Dwaidhibhava
द्वैधीभाव

(e) Nītivākyāmṛta
नीतिवाक्यामृत

(f) Duties of a king
राजा के कर्त्तव्य

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **5243** **I**

Unique Paper Code : 2135000012

Name of the Paper : Ancient Indian Polity-GE

Name of the Course : **Common Prog. Group, NEP UGCF 2022**

Semester : VIII

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. Describe the nature of ancient Indian political thought and the system of governance as mentioned in Vedic literature. 18

वैदिक साहित्य में वर्णित प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार तथा शासन-व्यवस्था के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

OR/अथवा

Discuss the role of Dharmaśâstra, Nîtiśâstra, Daṇḍanîti, and Rājashāstra in the development of ancient Indian political thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन के विकास में धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, दण्डनीति तथा राजशास्त्र की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

2. What is the Maṇḍala Theory? Discuss the concept of inter-state relations according to Kautilya. 18

मण्डल सिद्धान्त क्या है? कौटिल्य के अनुसार अन्तर्राज्यीय सम्बन्धों की इस अवधारणा का विवेचन कीजिए।

OR/अथवा

What do you understand by the Sadguṇya theory? Explain its importance in the tradition of ancient Indian political thought.

षाड्गुण्य सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? प्राचीन भारतीय राजनैतिक चिन्तन परम्परा में इसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

3. Compare the political systems of the Vedic and Buddhist periods. 18

वैदिक काल और बौद्ध काल की राजनीतिक व्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

OR/अथवा

Discuss the concept of Chaturvidha Upaya and discuss their importance in the state's policy of balance of power.

चतुर्विध उपाय की अवधारणा का वर्णन कीजिए तथा राज्य की शक्ति-संतुलन नीति में इनके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. Explain the nature and features of the different types of states Rājya, Svarâjya, Bhojya, Vairâjya. Mahârâjya. Sâmarâjya as described in the Aitreya Brähmaòa. 18

ऐतरेय ब्राह्मण में वर्णित राज्य के विभिन्न प्रकारों- राज्य, स्वराज्य, भोज्य, वैराज्य, महाराज्य और साम्राज्य का स्वरूप और विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

OR/अथवा

Discuss the concept of Rājadharma according to the Mahābhārata, Manusmriti, and Śukranîti.

महाभारत, मनुस्मृति एवं शुक्रनीति के अनुसार राजधर्म की अवधारणा का विवेचन कीजिए।